BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR UNIVERSITY
LUCKNOW
प्रज्ञा शील करूणा
ESTABLISHED 1996

हिंदी दिवस पर माननीय कुलपति जी का संदेश

“हिंदी: हमारी पहचान, हमारी अभिव्यक्ति और हमारी ज्ञान-परंपरा का सशक्त माध्यम”

14 सितंबर को मनाया जाने वाला हिंदी दिवस हमें हिंदी की गौरवशाली ऐतिहासिक यात्रा, उसके समृद्ध साहित्यिक योगदान और भारतीय जनमानस के साथ उसके गहरे संबंधों का स्मरण कराता है। हिंदी केवल संवाद और संप्रेषण की भाषा नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक चेतना, सामाजिक संवेदनाओं और राष्ट्रीय एकता की अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम है।

भारत के स्वतंत्रता संग्राम में हिंदी पत्रकारिता, साहित्यकारों और लेखकों ने जनजागरण तथा राष्ट्रीय चेतना के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हिंदी की लेखनी ने देशवासियों में स्वतंत्रता, स्वाभिमान और राष्ट्रनिर्माण की भावना को सुदृढ़ किया। स्वतंत्रता के पश्चात हिंदी को संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया जाना उसके ऐतिहासिक महत्व का परिचायक है।

आज विज्ञान, प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल संचार के युग में हिंदी के समक्ष नई चुनौतियाँ और व्यापक संभावनाएँ दोनों उपस्थित हैं। आवश्यकता है कि हिंदी को साहित्य और जनसंवाद की भाषा के साथ-साथ शिक्षा, शोध, विज्ञान, तकनीक और नवाचार की सक्षम भाषा बनाया जाए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 भी भारतीय भाषाओं में ज्ञान के प्रसार और शिक्षा को अधिक समावेशी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करती है।

बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ हिंदी सहित सभी भारतीय भाषाओं के सम्मान, संरक्षण और विकास के प्रति प्रतिबद्ध है। विश्वविद्यालय का उद्देश्य ऐसी शैक्षिक एवं शोधपरक संस्कृति का निर्माण करना है, जिसमें भारतीय भाषाएँ आधुनिक ज्ञान-विज्ञान, अनुसंधान और नवाचार के साथ निरंतर समृद्ध हों। हिंदी का विकास अन्य भारतीय भाषाओं के सम्मान और सह-अस्तित्व के साथ ही संभव है।

इस अवसर पर मैं सभी शिक्षकों, शोधार्थियों, विद्यार्थियों, कर्मचारियों और हिंदी-प्रेमियों का आह्वान करता हूँ कि हम हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग, मौलिक लेखन, गुणवत्तापूर्ण शोध और ज्ञान के सृजन का संकल्प लें। हिंदी को आत्मसम्मान, आधुनिकता और वैश्विक संवाद की भाषा बनाने में अपना योगदान दें। हिंदी हमारी विरासत भी है और हमारे उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला भी।

हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ।

आचार्य राज कुमार मित्तल
कुलपति
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।